हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

जनवीणा

WWW.JANVEENA.COM

स्वर जन-मन का...

☐ वर्ष : 13 ☐ अंक : 12 ☐ लखनऊ, 28 फरवरी, 2024 ☐ पृष्ठ : 8 ☐ मूल्य : 3 रूपये

यूपी राज्यसभा चुनाव में भाजपा के सभी उम्मीदवार हुए विजयी

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीट के लिए मंगलवार हुए मतदान में भाजपा को बड़ी जीत मिली है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सभी उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। वहीं सपा के खाते में दो सीट गई है। समाजवादी पार्टी को एक सीट पर मात खानी पड़ी है। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीट के लिए मंगलवार सुबह नौ बजे से जारी मतदान शाम चार बजे समाप्त हो गया। जिसके बाद देर शाम तक मतगणना हुई। वहीं भाजपा उम्मीदवारों की जीत पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, आज हमारे सभी आठों प्रत्याशी जीते हैं मैं सभी को बधाई देता हूं और सपा के भी दो प्रत्याशी जीते हैं तो उन्हें भी मैं बधाई देता हूं। बता दें कि भाजपा के आठ और सपा के तीन प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। वहीं सपा के सात विधायकों पर क्रास वोटिंग करने का भी आरोप लगा है। वहीं मतदान को लेकर एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में मौजूदा समय में 399 सदस्य हैं, जिनमें 395 सदस्यों ने अपने मत का प्रयोग किया। इसके पहले चुनाव के पीठासीन अधिकारी बृजभूषण दुबे ने कहा था, '' मतदान सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक होगा और मतगणना शाम पांच बजे से शुरू होगी और नतीजे आज रात को घोषित होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक तथा समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत कई वरिष्ठ नेता सुबह ही मतदान के लिए विधानसभा पहुंचे। योगी आदित्यनाथ ने वोट डालने के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर विजयी मुद्रा की अपनी तस्वीर साझा करते हुए कहा, ''राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए आज विधान भवन, लखनऊ में मतदान किया। सभी भाजपा प्रत्याशियों की विजय हेतु हार्दिक मंगलकामनाएं इस चुनाव में विधानसभा सदस्य मतदान करते हैं। विधानसभा पहुंचे उप मुख्यमंत्री एवं विधान परिषद सदस्य केशव प्रसाद मौर्य ने संवाददाताओं से कहा, '' अखिलेश यादव ने अपना तीसरा उम्मीदवार उतारकर गलती की और उनके पास पर्याप्त संख्या बल नहीं है।'' मौर्य ने कहा, '' सपा 'समाप्तवादी पार्टी' बन गयी है और भाजपा के सभी आठ उम्मीदवार जीतेंगे। ''उपमुख्यमंत्री पाठक ने भी दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सभी उम्मीदवार जीतने वाले हैं। विधानसभा के तिलक हॉल में वोट डालने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोग इस स्थिति में ''फायदा'' तलाश रहे हैं, वे चले जाएंगे। यादव ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि वह चुनाव जीतने के लिए सभी हथकंडे अपनाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बागियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।अखिलेश यादव से जब उनके द्वारा बुलाई गई बैठक में पार्टी विधायकों की अनुपस्थिति के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, '' जो स्थिति का फायदा तलाश रहे हैं वे चले जाएंगे। जिनसे वादा किया गया था वे जाएंगे।''यादव ने कहा, '' किसी को सुरक्षा की चिंता होगी, किसी को धमकाया गया होगा, किसी को कुछ और कहा गया होगा । जिसके अंदर लड़ने का साहस नहीं होगा वही जाएंगे।''उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, '' जो लोग किसी की राह में कीलें बिछाते हैं या दूसरों के लिए गड्ढा खोदते हैं, वे खुद उसमें गिर जाते हैं।'' यादव ने कहा, '' आप देख चुके हैं कि चंडीगढ़ में सीसीटीवी कैमरों के सामने क्या हुआ? मैं उच्चतम न्यायालय को धन्यवाद देता हूं जिसने संविधान को बचाया। भाजपा चुनाव जीतने के लिए सभी हथकंडे अपना सकती है। उसने कुछ लाभ का आश्वासन (कुछ विधायकों को) दिया होगा...भाजपा चुनाव जीतने के लिए कुछ भी करेगी।''

सपा प्रमुख ने मंगलवार को दोपहर बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा हमारी राज्यसभा की तीसरी सीट दरअसल सच्चे साथियों की पहचान करने की परीक्षा थी और यह जानने की भी कि कौन-कौन दिल से पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के साथ और कौन अंतरात्मा से पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों के खिलाफहै। अब सब कुछ साफहै, यही तीसरी सीट की जीत है। सोमवार को यादव द्वारा बुलाई गई बैठक में सपा के आठ विधायक शामिल नहीं हुए। सपा के एक वरिष्ठ नेता ने नाम नहीं उजागर करने की शर्त पर बताया कि पार्टी प्रमुख ने विधायकों को राज्यसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया के बारे में जानकारी देने के लिए एक बैठक बुलाई थी। हालांकि, विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक मनोज पांडेय और सात अन्य विधायक मुकेश वर्मा, महाराजी प्रजापति, पूजा पाल, राकेश पांडे, विनोद चतुर्वेदी, राकेश प्रताप सिंह और अभय सिंह इस बैठक में शामिल नहीं हुए।

आप ने दिल्ली की चार सीटों के लिए उम्मीदवारों का किया ऐलान

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली की चारों सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है।

आप ने नयी दिल्ली सीट से सोमनाथ भारती, पूर्वी दिल्ली से कुलदीप कुमार, दक्षिण दिल्ली से सहीराम, पश्चिम दिल्ली से महाबल मिश्रा को उम्मीदवार बनाया है। आप नेता और दिल्ली के मंत्री गोपाल राय ने इन नामों की घोषणा की है। दिल्ली के अलावा आप ने हरियाणा की कुरूक्षेत्र लोकसभा सीट के लिए भी उम्मीदवार के नाम का ऐलान किया गया है। पार्टी ने यहां से सुशील गुप्ता को मैदान में उतारा है।

कांग्रेस और सीपीआई केरल में एक दूसरे के दुश्मन:मोदी

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ मजबूत विकल्प तैयार करने का प्रयास कर रहे कांग्रेस और कम्युनिस्ट दलों पर कटाक्ष करते हुए मंगलवार को कहा कि वे केरल में एक-दूसरे के दुश्मन हैं, लेकिन अन्य राज्यों में वे 'बीएफएफ यानी ''हमेशा के लिए सबसे अच्छे दोस्त हैं।

मोदी ने यहां सेंट्रल स्टेडियम में भाजपा की राज्य इकाई की पदयात्रा के समापन समारोह में विपक्ष पर निशाना साधते हुए दावा किया कि उसके पास देश की प्रगति के लिए कोई खाका नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह मान चुका है कि वह इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव में जीत नहीं पाएगा, इसीलिए उसके नेता उन्हें 'भला-बुरा कहने की रणनीति अपना रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''केरल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट एक-दूसरे के दुश्मन हैं, लेकिन अन्य राज्यों में वे 'बीएफएफहैं। बीएफएफ का मतलब है-हमेशा के लिए सबसे अच्छे दोस्त। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कम्युनिस्ट मुख्यमंत्री (पिनराई विजयन) पर भ्रष्टाचार एवं घोटालों में शामिल होने का आरोप लगाया और वाम सरकार को फासीवादी करार दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''इसके जवाब में कम्युनिस्टों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कराया और उनके पूर्ववर्ती प्रशासनों पर विभिन्न घोटालों में शामिल होने का आरोप लगाया, लेकिन केरल के बाहर 'इंडी गठबंधन की बैठकों में वे एक साथ बैठते हैं, समोसे और बिस्कुट खाते हैं और चाय पीते हैं। उन्होंने कहा, ''यानी तिरुवनंतपुरम में वे कुछ और कहते हैं तथा दिल्ली में कुछ और कहते हैं। केरल के लोग आगामी लोकसभा चुनावों में इस विश्वासघात का जवाब देंगे। मोदी ने केरल के लोगों से आग्रह किया कि वे आगामी लोकसभा चुनावों में राज्य में उनकी पार्टी को दोहरे अंकों में सीट जिताकर अपना आशीर्वाद दें। उन्होंने कहा कि भाजपा कभी किसी राज्य को वोट बैंक के नजरिए से नहीं देखती।

सम्पादकीय

मीडिया के आत्ममंथन का वक्त

सर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआमथुरा ईदगाह पर सर्वोच्च न्यायालय का आदेश अदालती रूख में कोई बदलाव नहीं सुप्रीम कोर्ट के सबसे निष्पक्ष एवं बेदाग छवियों वाले न्यायाधीशों की जब भी बात चलती है तो उनमें पूर्व जस्टिस जोसेफकूरियन का जिक्र हमेशा होता रहा है। उन्होंने भारत के मीडिया के बारे में जो टिप्पणी की है, उस पर स्वयं देश के मीडिया से जुड़े लोगों द्वारा विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने साफकहा कि श्मीडिया देश के लोकतंत्र, संविधान एवं सच की रक्षा करने में पूर्णतरू विफल रहा है। कैंपेन फॉर ज्युडिशियल एकाऊंटिबिलिटी एण्ड रिफॉर्म्स (सीजेएआर) की ओर से आयोजित एक परिचर्चा को संबोधित करते हुए जस्टिस कूरियन ने कहा कि श्किसी को भी तथ्यों की सच्ची व निडर जानकारी नहीं मिलती। लोकतंत्र के लिये सबसे बड़ा झटका यह है कि मीडिया ने देश को हताश किया है। उनकी निराशा निर्मूल नहीं है। जो उनकी भावना है, लगभग वैसी ही देश के उन सभी लोगों की है जो संविधान में आस्था रखते हैं और लोकतंत्र को कायम रखना चाहते हैं। उन्होंने देश के लिये आशा की अंतिम किरण उन व्हिसलब्लोअरों को बताया जो अब भी लोगों को जाग्रत करने का काम कर रहे हैं और व्यवस्था की खामियों को उजागर कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों के साथ खड़े होने की जरूरत बतलाई। देश की सबसे बड़ी अदालत में न्यायदान करने वाले एक जस्टिस का अगर ऐसा सोचना है तो यह मीडिया संस्थानों और उससे जुड़े सभी लोगों के लिये यह भी सोचने का अवसर है कि आखिर उन्हें (कूरियन को) ऐसा बयान क्यों देना पड़ा है। दरअसल जस्टिस कूरियन की यह व्यथा पिछले करीब एक दशक के घटनाक्रमों का निचोड़ है जिसे हम मौजूदा शासकों की देन भी कह सकते हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र कहे जाने वाले भारत में ऐसी परिस्थितियां पहले भी आई हैं। सबसे बड़ा उदाहरण है 1975 में लाया गया आपातकाल। देश के उस कालखंड में भी मीडिया का एक बड़ा हिस्सा उसके खिलाफ खड़ा रहा। उसने इंदिरा गांधी जैसी ताकतवर, लोकप्रिय और उस दौरान तानाशाह बन गयी इंदिरा गांधी का भी मुकाबला किया था। हालांकि खुद इंदिरा जान गयी थीं कि यह मुल्क निरंकुशता को बर्दाश्त करने वाला नहीं है। उन्होंने अंततः स्वतः ही आपातकाल हटाया लेकिन मीडिया के, जो उस दौरान प्रिंट तक ही सीमित था, किसी भी हिस्से ने उसे सराहा नहीं था। उनके निधन के चार दशकों के बाद भी दिवंगत प्रधानमंत्री को उस कलंक से छुटकारा नहीं मिल सका है। गाहे-बगाहे अब भी उस प्रसंग की याद आलोचना के स्वरों में ही होती है। यह अलग बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कार्यप्रणाली से तुलना करते हुए कुछ लोग दबी जुबान में यह कहते सुनाई देते हैं कि श्वर्तमान अघोषित आपातकाल से तब का घोषित आपातकाल बेहतर था जब सामान्यजनों को तो कोई तकलीफ नहीं थी। हालांकि लोकतंत्र के मानकों के अनुरूप किसी भी आपातकाल का समर्थन नहीं किया जा सकता। किया भी नहीं जाना चाहिये। बहरहाल, जस्टिस कूरियन जब ऐसा कहते हैं तो दरअसल वे भारतीय मीडिया के इस दौरान के कायराना अंदाज और बिकाऊपन की ओर इशारा कर रहे हैं। जिस प्रकार से मीडिया का बड़ा हिस्सा मोदी, केन्द्र सरकार तथा भारतीय जनता पार्टी का अंध समर्थन कर रहा है, वही सारा कुछ पूर्व न्यायाधीश के जेहन में है। दशक भर से लोग देख रहे हैं कि मीडिया ने किस प्रकार से नरेन्द्र मोदी की महामानव की छवि गढ़ने में स्वयं को झोंक दिया है। सरकार की असफलताओं का लेशमात्र भी उल्लेख न कर हर काम को उनका श्मास्टरस्ट्रोकश् बतलाने वाले मीडिया ने अपने आप को चारण परम्परा में ढाल दिया है। नोटबन्दी से लेकर कोरोना काल और मणिपुर सम्बन्धी मसलों की पत्रकारिता को देखें तो हम पाते हैं कि अधिकांश मीडिया अपने बुनियादी उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने में असफल रहा है। इतना ही नहीं, उसे सरकार से जो सवाल करने थे, वे तो उसने किये ही नहीं, वह दिये जलाने और थाली-ताली पीटने में खुद ही शामिल हो गया। वह न प्रश्न करता है न किसी को करने देता है। यही मीडिया सवाल करने वालों को देशद्रोही बतलाता है। महिलाओं के अत्याचारों में वह पीड़िताओं के साथ नहीं वरन उत्पीड़कों के साथ था। शाहीन बाग हो या किसानों का आंदोलन, महिला पहलवानों का प्रदर्शन हो या ईवीएम हटाने के लिये चल रहा वकीलों-सिविल सोसायटियों का आंदोलन- उनमें मुख्य धारा का मीडिया सिरे से नदारद था। उसकी उपस्थिति होती भी है तो खामियां ढूंढने के मकसद से। ध्यान से देखें तो देश के नफरत व विभाजन के लिए भारतीय मीडिया भाजपा व केन्द्र सरकार की बराबरी के दोषी हैं।

भ्रष्टाचार न भवति!

राजेंद्र शर्मा

दस साल में पीएम मोदी पर 10 पैसे के भ्रष्टाचार का आरोप भी नहीं श्अगर इस बयान की पृष्ठभूमि इतनी विडंबनापूर्ण नहीं होती, तो मोदी राज में निर्विवाद रूप से नंबर-दो माने जाने वाले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस दावे को, एक मामूली चुनावी दावे के रूप में अनदेखा किया जा सकता था। आखिरकार, अमित शाह ने यह दावा भोपाल में जिस आयोजन में किया था, आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के हिस्से के तौर पर आयोजित किया गया था।माना कि इस आयोजन में वह श्प्रबुद्धश् लोगों को संबोधित कर रहे थे, लेकिन संबोधित तो संघ-भाजपा-प्रभावित प्रबुद्ध-जन को ही कर रहे थे और वह भी साफतौर पर चुनाव के संदर्भ में। और चुनाव के लिए अतिरंजित दावे करना तो, राजनीतिक नेताओं के लिए एकदम सामान्य बात ही है। फिर अमित शाह तो वैसे भी किसी के भी चुनावी बादों तथा दावों को गंभीरता से लेने के खिलाफपहले ही देश को आगाह कर चुके थे। खुद शाह ने हरेक मतदाता के खाते में पंद्रह-पंद्रह लाख रुपए डलवाने के प्रधानमंत्री मोदी के वादे को भूल जाने की सलाह देते हुए उसे महज एक जुम्ला बताया था। तब जुम्ला उछालने का, प्रधानमंत्री मोदी जितना न सही, थोड़ा-बहुत अधिकार तो अमित शाह को भी है ही। लेकिन, दस पैसे के भी भ्रष्टाचार का आरोप दस साल में न लगने का यह दावा जिस पृष्ठभूमि में किया जा रहा था, उसे देखते हुए इसे सिर्फजुम्ला कहकर छोड़ा नहीं जा सकता है। इस पृष्ठभूमि में दो परस्पर-संबद्ध तत्व आते हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी के न खाऊंगा, न खाने दूंगा के मुखौटे को तार-तार कर देते हैं। इनमें से पहला, एकदम फौरी तत्व है, न्यूजलॉन्ड्री और न्यूजमिनट का विस्फोटक भंडाफोड़, जो इसकी कहानी बयान करता है कि किस तरह, केंद्रीय जांच एजेंसियों के छापों के सहारे, मोदी राज में कंपनियों से चंदे की वसूली की जाती रही है। याद रहे कि इससे पहले, मोदी सरकार पर अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करने, इन एजेंसियों का दुरुपयोग कर राजनीतिक विरोधियों को आर्थिक रूप से पंगु करने से लेकर, उन्हें अपने पाले में शामिल होने के लिए मजबूर करने तक के आरोप तो लगते रहे थे, लेकिन चंदे की वसूली के लिए केंद्रीय एजेंसियों की दमनकारी ताकत का इस्तेमाल करने या मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के शब्दों का सहारा लें तो श्हफ्ता वसूलीश् करने के आरोप बेशक, पहली बार लगे हैं। भाजपा के दुर्भाग्य से यह उसके राजनीतिक विरोधियों द्वारा आरोप लगाए जाने भर का मामला नहीं है। यह जिम्मेदार और गंभीर खोजी पत्रकारों की टीम द्वारा खुद भाजपा द्वारा चुनाव आयोग को दी गयी, चुनावी बांड इतर बड़े कंपनियों द्वारा दिए गए चंदे की जानकारियों और ऐसी कंपनियों के एक हिस्से पर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाइयों की गहरी छानबीन से सामने आए, बहुत ही परेशान करने वाले तथ्यों का मामला है। ये तथ्य बताते हैं कि पिछले पांच वित्त वर्षों के दौरान कम से कम 30 ऐसी कंपनियों ने भाजपा को करीब 335 करोड़ रुपए का चंदा दिया था, जिनके खिलाफइसी दौरान केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई हुई थी। कहने की जरूरत नहीं है कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई की जद में आने वाली कंपनियों के सत्ताधारी पार्टी को करोड़ों रुपए के चंदे देने में, संदेह न होना ही हैरानी की बात होगी। उक्त कंपनियों में से 23 कंपनियों ने, जिन्होंने भाजपा को 187 करोड़ 58 लाख रुपए का चंदा दिया था, 2014 से लेकर अपने खिलाफकेंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई होने तक, एक बार भी भाजपा को चंदा नहीं दिया था। यानी सारा का सारा चंदा, उक्त कार्रवाई के बाद ही दिया गया था। इनमें से 4 कंपनियां, केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के चार महीने के अंदर-अंदर भाजपा के खजाने में 9 करोड़ 5 लाख रुपए जमा करा चुकी थीं। दूसरी ओर, 6 कंपनियां ऐसी थीं, जो केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से पहले भी भाजपा को चंदा दे तो रही थीं, लेकिन इस कार्रवाई के बाद उनके चंदे की मात्रा बढ़ गयी थी। इसी प्रकार, 6 कंपनियां ऐसी थीं, जो भाजपा को पहले से हर साल चंदा देती आ रही थीं, लेकिन एक वर्ष में उन्होंने चंदा नहीं दिया और उन पर छापा पड़ गया! दूसरी ओर इस छानबीन के दायरे में आई 32 कंपनियों में से, सिर्फ3 कंपनियां ऐसी थीं, जिन्होंने इसी दौरान मुख्य विपक्षी पार्टी, कांग्रेस को भी चंदा दिया था। साफहै कि इन कंपनियों का मोदी की भाजपा के प्रति प्रेम, जिसके वशीभूत होकर वे सत्ताधारी पार्टी को करोड़ों रुपए का चंदा दे रही थीं, स्वतस्फूर्त नहीं था बल्कि उसके पीछे केंद्रीय एजेंसियों के डंडे का डर था। इस दाम वसूली के लिए साम, दंड और भेद का बड़ी चतुराई से इस्तेमाल किया जा रहा था। इस सारे रहस्योद्घाटन के बाद भी दस पैसे के भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगाश् की शेखी मारने के लिए,चमड़ी का बाकई काफी मोटा होना जरूरी होगा। पृष्ठभूमि का दूसरा तत्व, जो अमित शाह के उक्त दावे को हास्यास्पद ही बना देता है, चुनावी बांड व्यवस्था के मामले में सुप्रीम कोर्ट का हाल ही में आया ऐतिहासिक फैसला है। इस फैसले के जरिए मोदी की भाजपा द्वारा गढ़ी गयी लेन-देन की अनंत संभावनाओं के द्वारा खोलने वाली इस व्यवस्था को, सुप्रीम कोर्ट ने पूरी तरह से ही निरस्त कर दिया है। बेशक, इसी फैसले के हिस्से के तौर पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बांड के जरिए अब तक दिए गए पैसे के चंदादाताओं का विवरण, स्टेट बैंक द्वारा चुनाव आयोग को दिए जाने तथा चुनाव आयोग द्वारा निश्चित अवधि में जो बहुत दूर नहीं है, ये विवरण सार्वजनिक किए जाने के जो आदेश दिए हैं, उन पर अमल के रास्ते में सरकार तथा उसके कृपापात्रों द्वारा क्या-क्या रोड़े अटकाए जाते हैं, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। लेकिन, इतना तय है कि जब भी यह विवरण सार्वजनिक होगा, इस सामग्री के विश्लेषण, न्यूजलॉन्ड्री तथा न्यूजमिनट की खोजी रिपोर्ट के रहस्योद्घाटनों से और बहुत आगे जाते हुए, कृपा देने और बड़ा चंदा लेने के महा-भ्रष्टाचार के संस्थागत रूप को पूरी तरह से ही बेनकाब कर देंगे। कहने की जरूरत नहीं है कि मोदीशाही इसकी हरेक-संभव कोशिश करेगी कि कम से कम आगामी आम चुनाव तक ये विवरण सार्वजनिक न हों। उन्हें पता है कि अगर ये विवरण सार्वजनिक हो गए तो, इन जानकारियों के विस्तृत्व विश्लेषण में भले ही और समय लगे, कम से कम उसके लिए काफी असुविधाजनक हैडलाइन्स तो निकल ही आएंगी, जिन्हें मुख्यधारा के मीडिया पर अपने लगभग मुकम्मल नियंत्रण के बावजूद, उसके लिए पूरी तरह से दबाना संभव नहीं होगा। अब, इन दो बड़े धक्कों के बाद, मोदीशाही का ईमानदारी का मुखौटा बेशक, तार-तार हो गया है। इसके बाद भी, मोदीशाही और भी जोर-शोर से दूसरे सब को भ्रष्ट बताने और खुद को ही ईमानदार दिखाने के पाखंड में लगी हुई है। इसके पीछे उसका जो भी विश्वास है, उसका आधार हिटलर का महाझूठ या बड़े झूठ का सिद्धांत है। हिटलर का यह कहना था कि अगर बड़ा झूठ बोलो और बार-बार बोलो, तो लोग उस पर विश्वास करने लगेंगे। और बड़ा झूठ ही क्यों? क्योंकि छोटे-छोटे झूठ के झूठ हो सकने की बात, लोग आसानी से मान लेते हैं क्योंकि छोटे झूठ वे भी अपने जीवन में खूब बोलते हैं।

नई दिल्ली में जनवीणा ग्रामीण का विमोचन

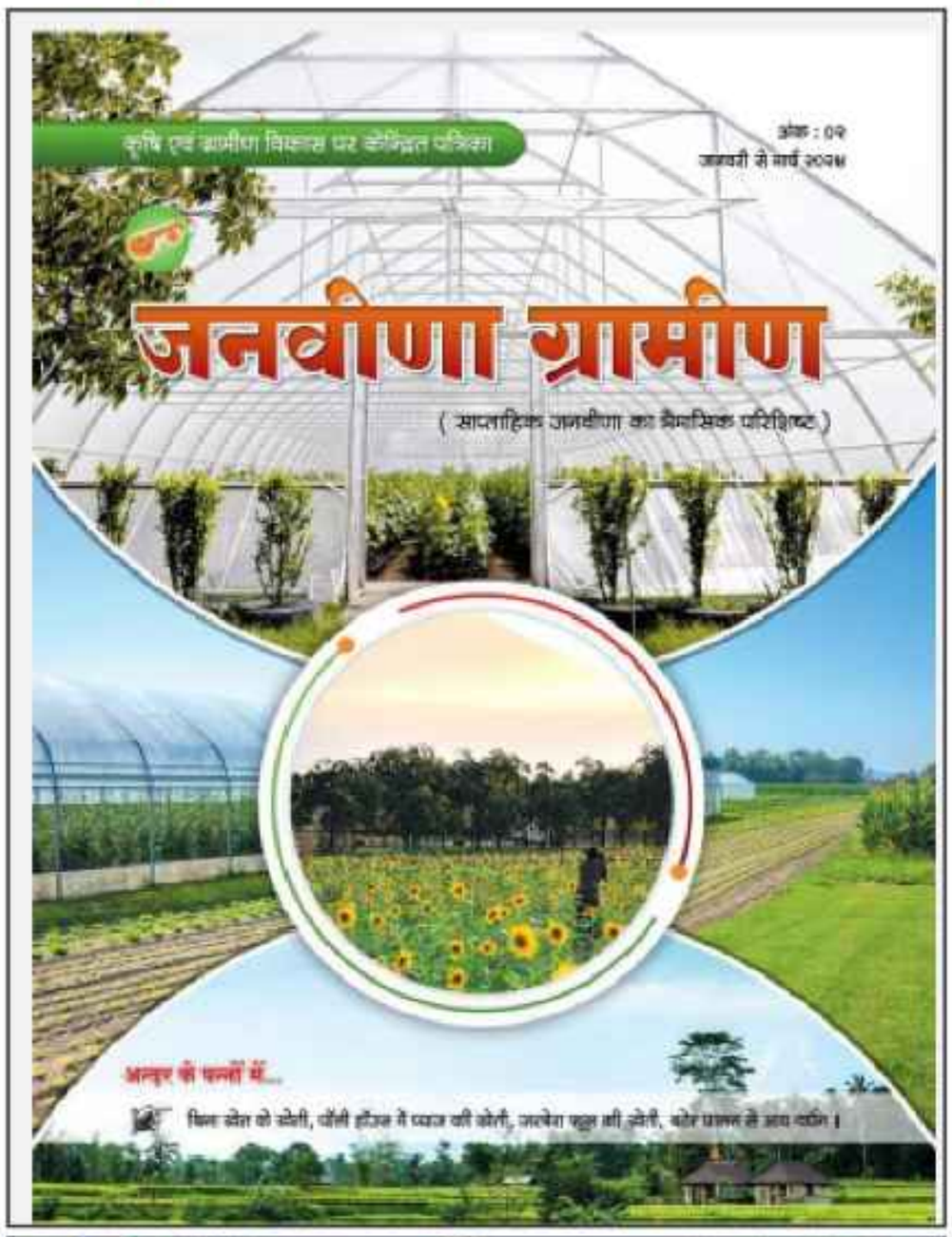

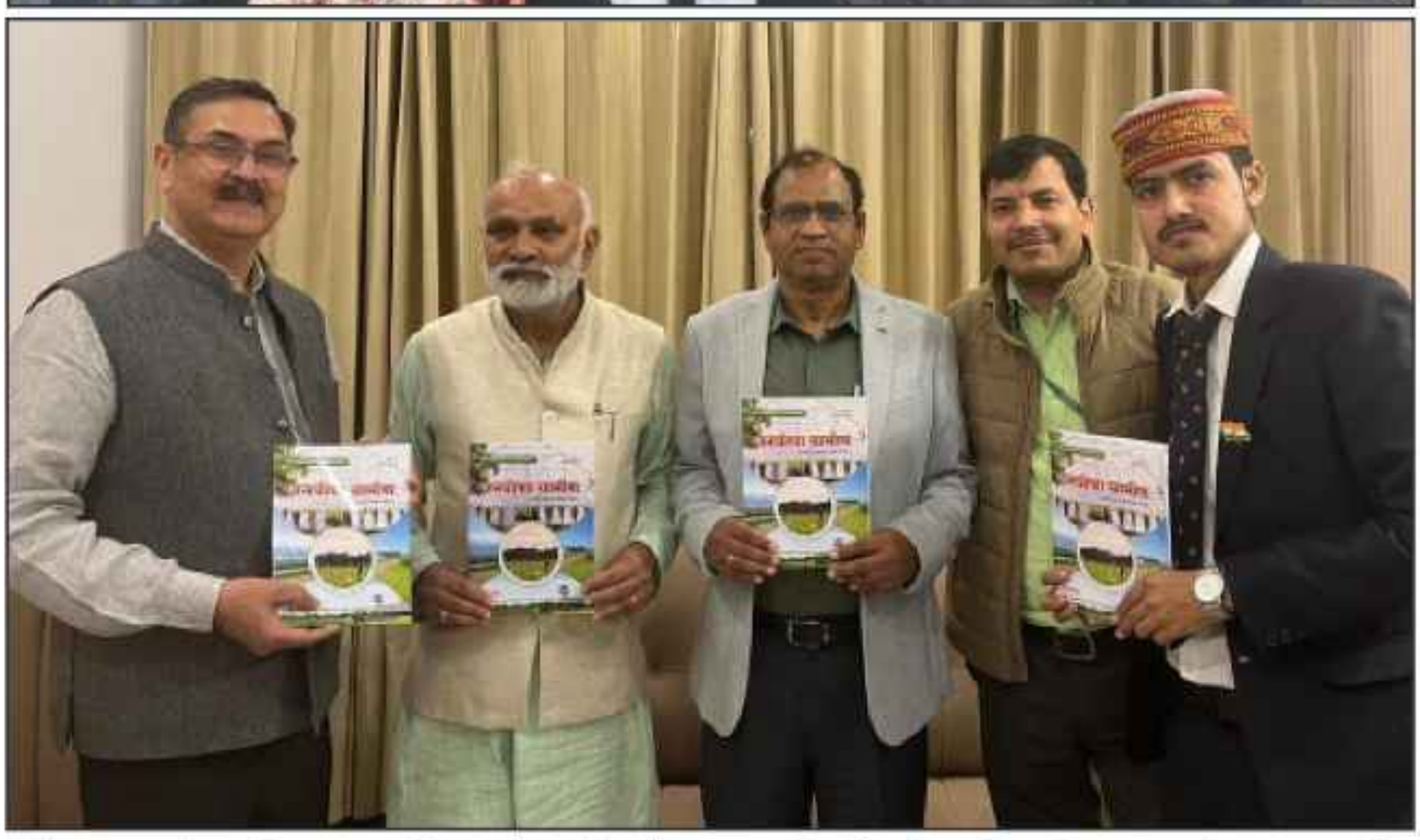

नई दिल्ली। त्रैमासिक कृषि पत्रिका जनवीणा ग्रामीण के जनवरी-मार्च अंक का विमोचन भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) में गवर्निंग जीबी बॉडी के मेंबर्स द्वारा किया गया। पत्रिका के प्रमुख सलाहकार एवं आईसीएआर प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि पत्रिका की विषयवस्तु समसामयिक एवं उपयोगी है। यह किसानों तथा कृषि से जुड़े जनों के लिए बहुपयोगी है। इस अवसर पर प्रोफेसर एस.के पाण्डेय (कुलपति, राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, बिहार), डॉ. आर.के अग्रवाल (डीडीजी, आईसीआर), डॉ. अनुपम मिश्रा (कुलपति, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल), डॉ. राजेश्वर सिंह चंदेल (कुलपति, डॉ. वाई. एस. परमार सोलन हिमाचल प्रदेश), श्रीमती सुषमा सिंह, पद्मश्री बद्री सिंह, पद्मश्री आर.के सांगवान, पत्रिका के प्रसार संपादक एवं गुणवत्ता नियंत्रक रामेश्वर पाण्डेय, आशुतोष सिंह, राजेश जी आदित्य झा एवं अन्य सम्मानित लोग मौके पर मौजूद रहे।

सपा के बागी नेता मनोज पांडे पर सपा की कार्रवाई शुरू

लखनऊ (यूएनएस)। समाजवादी पार्टी के नेता और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के करीबी नेता रहे मनोज पांडेय के पार्टी के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफे के बाद अखिलेश काफी नाराज दिख रहे हैं। सपा प्रमुख ने विधानसभा से मनोज पांडेय के नाम की लगी नेम प्लेट को हटवा दिया है। ये नेम प्लेश अखिलेश यादव के निर्देश पर हटवाई गई है। नेम प्लेट के हटने के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। आपको बता दें कि राज्यसभा चुनाव में सपा के कई विधायक बागी हो गए हैं और भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मतदान कर रहे हैं। वहीं, बसपा के एक विधायक उमा शंकर पांडेय ने भी भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में वोट देने की बात कही है। इसके अलावा, कांग्रेस विधायक वीरेंद्र चौधरी ने भी भाजपा प्रत्याशी का समर्थन किया है।

स्टोरीमैन जीतेश ने सुनाई दादी नानी की कहानी

बच्चों ने जाना बांसुरी का राज

लखनऊ। बच्चों की कल्पनाशीलता के विकास और नैतिक मूल्यों की प्रेरणा देने के उद्देश्य से होने वाले दादी नानी की कहानी जीतेश की जुबानी कार्यक्रम में इस बुधवार को बांसुरी का रहस्य कथा सुनायी गयी। लोक संस्कृति शोध संस्थान की मासिक श्रृंखला के तहत इस बार इंदिरा नगर के सर्वोदयनगर स्थित मेरेडियन स्कूल में हुए कार्यक्रम में बच्चों ने कहानी पर आधारित प्रश्नों के उत्तर भी दिये।

कार्यक्रम का शुभारम्भ स्टोरीमैन जीतेश श्रीवास्तव ने कठिन वाक्यों के उच्चारण अभ्यास के साथ किया। कथा सत्र में एक युवक वंशी द्वारा प्रतिदिन शाम को चैन की बांसुरी बजाने, उस राज्य के राजा द्वारा बांसुरी का रहस्य पता करने के प्रयासों तथा अंत में वंशी की बांसुरी का राज बच्चों ने जाना। कल्पना के सागर में डूबते उतराते बच्चों ने वर्तमान को अच्छा बनाने, परिश्रम करने, परिस्थितियों का सामना करने, सच बोलने जैसी नैतिक मूल्यों की प्रेरणा ली। मेरेडियन स्कूल के प्रबंधक चैतन्य तिवारी ने कथा प्रस्तोता समूह का स्वागत किया तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास में कथा एवं कहानियों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर लोक संस्कृति शोध संस्थान की सचिव सुधा द्विवेदी, लोक भाषाओं की प्रभारी आभा शुक्ला, श्रीमती पूनम मिश्रा एवं कौस्तुभ सहित विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

अवध की सांस्कृतिक स्तम्भ थीं प्रोफेसर कमला श्रीवास्तव

लोक चौपाल में दी गयी भावभीनी श्रद्धांजलि, उठी मांग, अवध कुंज पार्क हो अवध कोकिला के नाम

लखनऊ। संगीत विदुषी प्रो. कमला श्रीवास्तव को अवध का सांस्कृतिक स्तम्भ बताते हुए कलाकारों और समाजसेवियों ने उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। गत 25 फरवरी को सिंचाई विभाग के आफिसर्स क्लब में लोक संस्कृति शोध संस्थान द्वारा आयोजित लोक चौपाल में उन्हीं के सिखाये गीतों की प्रस्तुति से उन्हें याद किया गया। इस दौरान अवध जिमखाना क्लब के निकट स्थित अवध कुंज पार्क का नामकरण अवध कोकिला प्रो कमला श्रीवास्तव पार्क करते हुए उनकी प्रतिमा लगाने तथा रिंग रोड से सहारा स्टेट वाली सड़क का नामकरण प्रो. कमला श्रीवास्तव मार्ग किये जाने की मांग भी उठाई गई।

सांगीतिक श्रद्धार्पण का शुभारम्भ करते हुए कला समीक्षक डा. एस.के.गोपाल ने कहा कि 92 की वय में भी प्रो. कमला पूरी जीवंतता के साथ लोक साहित्य और लोक संस्कृति के लिए समर्पित रहीं। अपना देहदान कर उन्होंने आदर्श प्रस्तुत किया। उनका जीवन एक मिसाल है। लोक संस्कृति शोध संस्थान की सचिव सुधा द्विवेदी ने बताया कि 1982 में नयी दिल्ली में हुए एशियाड खेल के दौरान पंडित बिरजू महाराज जी ने कमला जी के लिखे व गाये गीतों को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में समाहित किया था। वे अच्छी कवयित्री, लेखक, चित्रकार, संगीतकार तो थी हीं, शास्त्रीय और लोक संगीत की मर्मज्ञ विदुषी थीं। राजधानी में प्रत्येक माह होने वाली लोक चौपाल के 58 आयोजनों में उन्होंने चौपाल चौधरी की भूमिका निभाई थी।

कार्यक्रम के दौरान पद्मश्री योगेश प्रवीन और प्रो. कमला श्रीवास्तव के निधन से रिक्त हुए चौपाल चौधरी के पद पर वरिष्ठ लोक गायिका विमल पन्त और पद्मा गिडवानी तथा चौपाल प्रभारी के पद पर अर्चना गुप्ता का मनोनयन हुआ। कार्यक्रम में प्रो. कमला श्रीवास्तव के लोक अवदान पर चर्चा हुई वहीं कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से अपनी भावांजलि अर्पित की। नीरा मिश्रा ने निर्गुण कैसे कटी रतिया, वन्दना शुक्ला ने राम से बड़ा राम का नाम आदि गीत प्रस्तुत किये। वहीं पद्मश्री योगेश प्रवीन के लिखे और प्रो. कमला श्रीवास्तव के गाये भगवती आराधना गीत नमो कालरात्रि नमो देवमाता पर सुमन मिश्रा और नेहा प्रजापति ने मनमोहक नृत्य किया। इसके साथ ही रंजना शंकर, रेखा अग्रवाल, डा. सरोजिनी सक्सेना, ऋचा जोशी, ज्योति किरन रतन, आभा शुक्ला, रुपाली रंजन श्रीवास्तव, आशा सिंह रावत, रचना गुप्ता, अलका चतुर्वेदी, संगीता खरे, मीनू पाण्डेय, पल्लवी निगम, प्रियंका दीक्षित आदि ने भी संस्मरण सुनाये तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं।

इस अवसर पर हेमलता त्रिपाठी, वरिष्ठ समाजसेवी डा.अनिल गुप्ता, सोनल ठाकुर, जीतेश श्रीवास्तव, स्वर्णकान्ति साहू, डा. एस.के. गोपाल, सीए मयंक गुप्ता, सौरभ कमल सहित अन्य मौजूद रहे।

पुस्तक समीक्षा: विश्व भ्रमर एराउन्ड द वर्ल्ड

अशांति के बीच शांति की तलाश करता नाटक

राजनैतिक विषयों पर नाटक लिखना बड़ा चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। चुनौती इस मायने में ज्यादा महत्वपूर्ण होती हैं कि कथ्य सापेक्षता के साथ अपनी बात रखें और भटकाव के दोराहे पर न खड़ा हो जायें क्योंकि राजनैतिक नाटक, पक्ष और विपक्ष के बीच खड़ी चुनौतियों को एक नाटककार के नज़रिये से लोगों के सामने लाता है। जरूरी नहीं हैं कि एक पूर्णकालिक मंचीय नाटक में सारी समस्याओं का निष्पक्ष निष्पादन किया जा सके। नाट्य लेखक की मंशा तो यही रहती है कि वह नाटक के जरिये सामाजिकों को कुछ सोचने पर विवश करे। उनके सामने दुनियाँ भर में बदल रहे राजनैतिक संकटों पर चिंतन और बहस की गुंजाइश रखे। इन सारे सवालों पर अभी हालिया प्रख्यात लेखक एवं निर्देशक सुशील जी का नाटक %विश्व भ्रमर एराउन्ड द वर्ल्ड% प्रकाशित होकर रंग निर्देशकों और प्रेक्षकों के सामने आया है।यह नाटक अपने कथ्य में जहां क्लिष्ट हैं वहीं मंचन की दृष्टि से भी आसान नहीं हैं। हालांकि विचारवान निर्देशक इस नाटक को बेहतरीन तरीके से सामाजिकों के बीच परोस सकता है क्योंकि नाटक अपने कथ्य को लेकर राजनैतिक, सामाजिक या अन्य विसंगतियों को उकेरने वाला है ।अगर प्रस्तुतीकरण बेहतर है तो उसका कथ्य आसानी से लोगों तक पहुँच जाता है।

चूँकि सुशील जी स्वयं में एक सशक्त रंग निर्देशक हैं, तो उन्होंने इस नाटक को रंग निर्देशों के जरिये मंचन करने वाले निर्देशकों की राह आसान कर दी हैं। राजनैतिक नाटक केवल बयानबाजी न हो बल्कि सुंदर रंग प्रक्रिया के तहत लोगों को नीरसता के बीच रस भी प्राप्त करा सके, यह काम नाटककार ने अपने लेखन में बखूबी किया है। वैसे भी सुशील जी ने नाट्य लेखक के तौर पर अब तक कई ऐसी नाट्य कृतियां सामाजिकों को दी हैं,जो यादगार हीं नहीं हैं बल्कि कई भाषाओं में अनूदित और मंचित होकर रिकार्ड बना चुकी हैं।

विश्व भ्रमर नाटक दो चरित्रों शांति और मानवता के माध्यम से दुनिया में घट रही घटनाओं का अध्ययन करता है।शांति और मानवता हिन्दुस्तानी संस्कृति के अवलंबन रहे हैं। नाटककार ने इसको केंद्र में रखकर सृजन किया है। यह नाटक दुनियाँ में चल रहे युद्ध तथा आम लोगों पर ढाये जा रहे जुल्म का बड़ी बारीकी से विश्लेषण करता है। बंगलादेश अथवा पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हों, या अमेरिका में रंग भेद का सवाल हो, फ्रांस में कार्टून को लेकर धर्म की सर्वोच्च अंधी मानसिकता को लेकर बर्बर क़त्लेआम हों, हिजाब को लेकर अफगानिस्तान में स्त्रियों की हत्या और उनके अस्तित्व को कुचल डालने का मसला हो, रूस-उक्रेन के बीच जारी जंग में किसी मुल्क को खंडहर में बदल देने का विस्तारवादी सपना हो या चीन द्वारा पीड़ित तमाम मुल्क हों, जिन्हें चीन आर्थिक रूप से बर्बाद कर रहा हो, यह सारे सवाल इस नाटक के केंद्र बिंदु हैं। नाटककार ने बड़ी साफगोई से इस नाटक को सवालों के साथ संजोने का काम किया है। विज्ञान समस्त दुनियाँ के लिए तरक्की और विकास का जनक है, तो दूसरी तरफ विनाश का कारक भी। इन

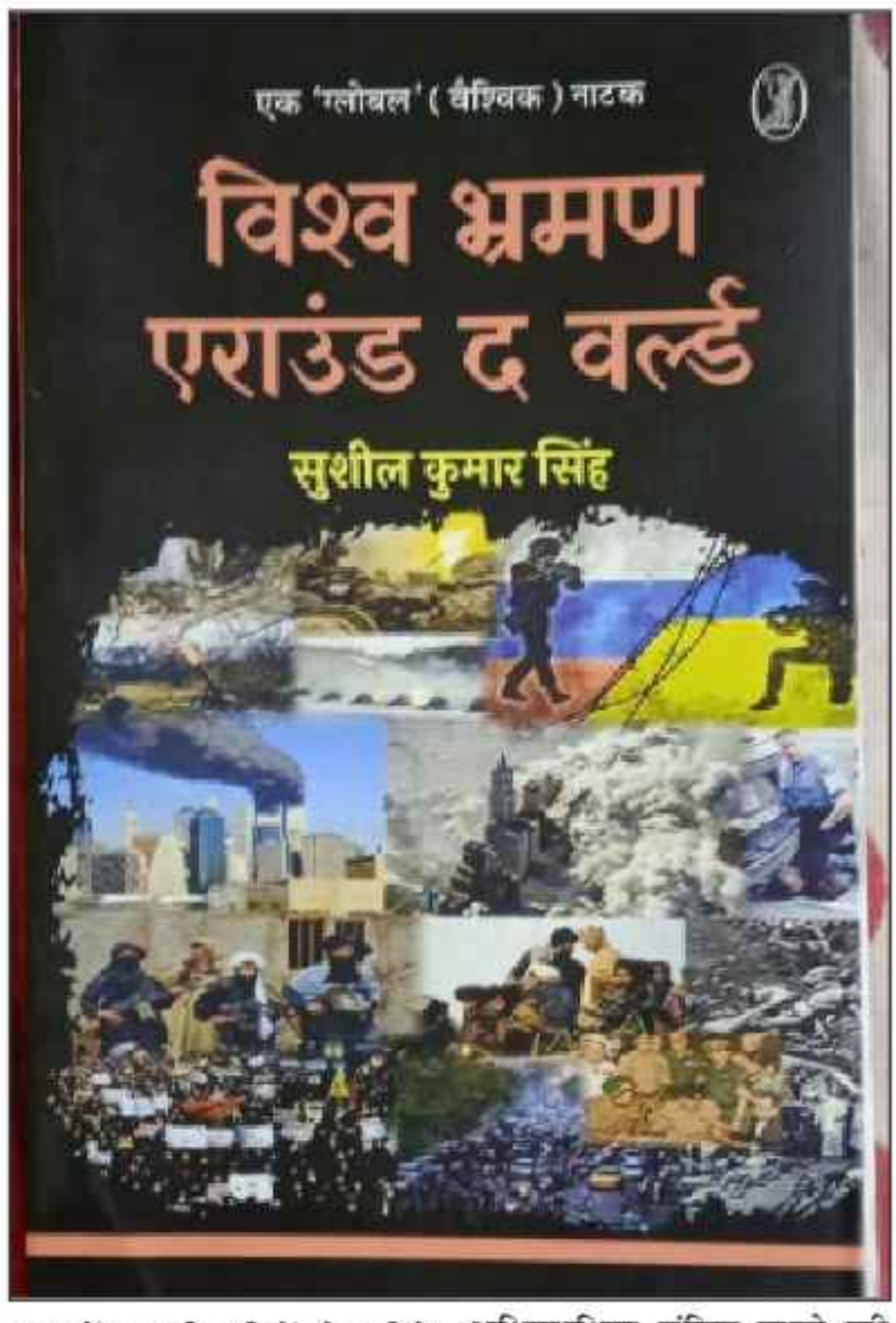

सवालों पर भी चरित्रों के जरिये लेखक ने मनुष्यता को सर्वोपरि रखा है। वाणी प्रकाशन से प्रकाशित इस नाटक को आज के मौजू दौर में अधिकाधिक मंचित करने की जरूरत है।

-अनिल मिश्रा गुरु जी
9335556115

अब सब कुछ साफ है, यही तीसरी सीट की जीत है: अखिलेश यादव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के बड़ा झटका लगा है। विधायक मनोज पांडेय सहित 6 विधायक बागी हो गए हैं। सपा के विधायक मनोज पांडे ने मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा भी दे दिया है। इस साथ ही सभी बागी विधायकों ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मतदान किया है। मतदान के बाद सभी बागी विधायक डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के साथ नजर आए हैं। वही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी विधायकों के बागी होने की बात को स्वीकार करते हुए कहा है कि कार्रवाई निश्चित होगी क्योंकि पार्टी के हमारे साथियों का मानना है

कि ऐसे लोगों को दूर कर दीजिए। अखिलेश यादव ने कहा कि हमारी राज्यसभा की तीसरी सीट दरअसल सच्चे साथियों की पहचान करने की परीक्षा थी और ये जानने की कि कौन-कौन दिल से पीडीए के साथ और कौन अंतरात्मा से पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों के खिलाफहै। नतीजा कुछ भी आए लेकिन अब सब कुछ साफहै, यही तीसरी सीट की जीत है। सपा ने इस चुनाव में तीन प्रत्याशी-जया बच्चन, रामलाल जी सुमन और आलोक रंजन को प्रत्याशी बनाया है। 403 विधायकों वाली यूपी की विधानसभा में बीजेपी के 252, सपा के 108, कांग्रेस के 2, निषाद पार्टी 6, सुभासपा 6, अपना दल एस 13 और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के 2 विधायक हैं। इसके अलावा एक विधायक बसपा का भी है।

जिला स्तरीय बैंक सलाहकार समिति की बैठक में डीएम ने लक्ष्य प्राप्ति के दिये निर्देश

कानपुर देहात (यूएनएस)। जिला स्तरीय बैंक सलाहकार समिति की वर्ष 2023-24 की विभिन्न शासकीय योजनाओं के अन्तर्गत 01 दिसंबर 2023 से 31 जनवरी 2024 के मध्य हुई प्रगति की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी आलोक सिंह के अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में एलडीएम ने बताया कि जनपद का ऋण जमा अनुपात 67 प्रतिशत है। किसान क्रेडिट कार्ड के तहत लक्ष्य के सापेक्ष 77 प्रतिशत की प्राप्ति कर ली गयी है।

जिलाधिकारी ने सभी बैंकों से जनपद में ऋण आवंटन मे तेजी लाने के साथ लक्ष्य प्राप्ति, वित्तीय समावेशन, बैंक से ऋण लेने हेतु जनता को प्रेरित करने तथा पुराने ऋणों की समय से वसूली करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी बैंकों को वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए दिए गए लक्ष्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, पीएम स्वनिधि योजना, पीएमएफएमइ योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, जनधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि किसी भी आवेदक को कागजी कार्यवाही या अन्य किसी कारण से अनावश्यक रूप से परेशान न किया जावे, शासन की मंशा के अनुरूप संचालित योजनाओं का लाभ लोगों को उपलब्ध करायें। विभिन्न बैंक जिले के दूर-दराज क्षेत्रों में योजनाओं को लेकर जागरूकता कैंपों का आयोजन करें तथा कैंप के दौरान ही ऋण से सम्बंधित मामलों स्वीकृत करने का प्रयास करे।

स्व संतोष शुक्ला की मूर्ति का अनावरण कर सांसद ने कई योजनाओं का किया शिलान्यास

कानपुर देहात (यूएनएस)। नगर पंचायत अकबरपुर द्वारा 1900 लाख से अधिक योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास सांसद देवेंद्र सिंह भोले द्वारा नगर पंचायत अध्यक्षा दीपाली गुड्डन सिंह की अध्यक्षता में किया गया। लोकतंत्र सेनानी स्वर्गीय संतोष शुक्ला पूर्व राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार की स्मृति में नगर पंचायत द्वारा अनुमानित लागत 120.27 लाख से निर्मित बस स्टैंड का शिलान्यास एवं मूर्ति अनावरण के मौके पर जिलाधिकारी आलोक सिंह, जितेंद्र सिंह गुड्डन, जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी, डॉ सतीश शुक्ला, भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष परवेश कटियार की उपस्थिति में किया गया। सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने संबोधित करते हुए कहा कि क्रांतिकारी विचारों से ओत प्रोत पूर्व राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त लोकतंत्र सेनानी पंडित संतोष शुक्ला की प्रतिमा का अनावरण मेरे व मेरे परिवार के लिए सौभाग्य का क्षण है। नगर पंचायत अकबरपुर में जो कार्य किया है वह सराहनीय तथा दलगत भावनाओं से हटकर किया किया गया है। स्वर्गीय संतोष शुक्ला ने समाज के कल्याण के लिए अपने जीवन को आहुति देकर अमर हो गए उन्होंने समाज के भलाई के लिए अपने प्राण निछावर कर दिए। अकबरपुर की चौयरमैन को इसके लिए धन्यवाद प्रेषित करते हैं जिन्होंने मूर्ति लगवाने का संकल्प लिया। जन-जन के प्रिय रहे स्वर्गीय संतोष शुक्ला के भाई भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला प्रतिमा अनावरण के समय अत्यधिक भावुक दिखे। उन्होंने कहा हम जिस पद पर बैठे हैं यह मेरे भाई के कारण ही संभव हुआ है। निश्चित ही उनकी आत्मा आज इन दायित्व को देख रही है। उनकी प्रतिमा का अनावरण होने से लोग प्रेरणा लेंगे। एक सुखद अवसर है। मौके पर राजेंद्र सिंह राजू, महंत देवनारायण दास, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश सचान, कन्हैया कुशवाहा पूर्व विधायक कमलेश दिवाकर, राजेश शुक्ला, अनिल मिश्रा, रवि शुक्ला, डॉ विवेक द्विवेदी, अवधेश शुक्ला, विकास मिश्रा जिला मीडिया प्रभारी सहित गणमान्य जन व आमजन मौजूद रहे।

माहौल बिगाड़ने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार

उन्नाव (यूएनएस)। अचलगंज थाना क्षेत्र के झाउआ खेड़ा गांव में बीती सोमवार की रात कथा भागवत के दौरान मामूली बात पर दो पक्षों में जमकर गाली-गलौज के बाद झगड़ा हो गया। इसी दौरान दहशत के इरादे से एक पक्ष ने कई राउंड फायरिंग कर दी, जिससे अफरा-तफरी का माहौल हो गया। फायरिंग की सूचना पर अचलगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की है। झाउआ खेड़ा में कथा भागवत का आयोजन चल रहा था। इसी दौरान इसी गांव के रहने वाले भागने पुत्र सीताराम, रिंकू पुत्र श्रीराम, रिंकू पुत्र संतोष, अंकित पुत्र कल्लू का इसी गांव के रहने वाले झांगु पुत्र गंगा प्रसाद, चंद्रशेखर पुत्र गया प्रसाद, राजू पुत्र बुधई, गोरेलाल पुत्र राजू का मामूली बात को लेकर गाली-गलौज शुरू हो गई। कुछ ही देर में दोनों पक्षों की ओर से झगड़ा शुरू हो गया और जमकर मारपीट हुई। इस दौरान दोनों पक्षों में से दहशत फैलाने के इरादे से कई राउंड हवाई फायरिंग की गई। थाना क्षेत्र में फायरिंग की सूचना होने से अचलगंज थाना पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना पर थानाध्यक्ष संजीव कुमार कुशवाहा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल पर जांच पड़ताल की और दोनों पक्षों की ओर से तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया। इसमें एक पक्ष से राजू, जमुना, विनोद, श्रवण, अंकित, कल्लू, अरविंद को गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही दूसरे पक्षों के लोगों की तलाश कर रही है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि जांच पड़ताल की जा रही है।

ओमान से 19 दिन बाद आया युवक का शव

उन्नाव (यूएनएस)। नगर पंचायत के शंकर नगर मोहल्ला के रहने वाले युवक की ओमान में सड़क हादसे में 9 फरवरी को मौत हो गई थी। मौत की खबर मिलने के बाद से परिजन हत्या की आशंका जताते हुए शव घर भिजवाने की गुहार लगा रहे है थे। विदेश मंत्रालय की ओर से वार्ता करने के बाद सोमवार को 19 दिन बाद युवक का शव घर पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीण युवक के अंतिम संस्कार की तैयारी में जुट गए हैं। नगर पंचायत के शंकर नगर मोहल्ला के रहने वाला सर्वेश कुमार (25) की खाड़ी देश ओमान में कपड़े की धुलाई का काम करता था। परिजनों के मुताबिक 9 फरवरी को उसकी सड़क हादसे में मौत हो गई थी। 10 दिन बाद घर में सूचना पहुंचने पर मौजूद मां बदहवास हो गई थी और शेख के ऊपर हत्या कराए जाने का आरोप लगाती रही। बहन ने सरकार से ओमान से शव मंगवाए जाने की मांग उठाई थी। सर्वेश दो फरवरी को घर से ओमान जाने को निकला था और तीन फरवरी को फ्लाइट थी। 5 फरवरी को वह ओमान पहुंच गया था।

7 फरवरी को फोन पर सर्वेश ने मां रामकली से बात की थी। उसके बाद 19 फरवरी को फोन पर सर्वेश की मौत हो जाने की बात बताने लगा। उसके बाद फोन कट गया। उसके बाद कोई बात नहीं हुई। मां ने बताया कि केरल की संस्था के सदस्य समीर पुकप्राथ ने 19 फरवरी को दुर्घटना में सर्वेश की मौत की जानकारी दी थी। बहन ने बताया कि समीर ने शव भारत लाने में मदद का आश्वासन दिया था। विवाहित बहन पूजा ने बताया कि 7 फरवरी के बाद भाई का कोई फोन नहीं आया। मां व बहन तथा परिजन सर्वेश की हत्या की आशंका जताते रहे। बहन पूजा ने बताया कि सर्वेश ने कहा था कि इस बार की विजिट के बाद वापस आने पर वह अपनी शादी करेगा। आज मंगलवार की सुबह ओमान से मृतक का शव घर पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया सर्वेश की ओमान में हुई मौत के बाद मां रामकली और विवाहित बहन सुधरा और पूजा रो-रोकर बेहाल हैं। सर्वेश का एक छोटा भाई नितेश मंदबुद्धि है। मां रामकली कह रही कि परिवार का खर्च कैसे चलेगा ? सर्वेश का परिवार पीएम आवास से मिली कॉलोनी में रहता है। मौत की खबर मिलने पर पीड़ित के घर पर ढ़ांढ़स बंधवाने के लिए लोग पहुंच रहे हैं।

चिंगारी से झाड़ियां में लगी आग

कानपुर (यूएनएस)। थाना क्षेत्र के पनकी स्थित मौरंग मंडी मे झाड़ियों में अचानक आग लग गई। ऊपर से बिजली के तार मे चिंगारी उठी और निचे लगी झाड़ीयो मे चिंगरी गिरने पर झाडीयो ने तेज रफ्तार से आग पकड ली। वही विकराल रूप लेकर पूरे आस पास की झाड़िओ में आग लग गई। आग लगने से आस पास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। वहीं जितने आस पास टूक खड़े हुए थे उनको फौरन हटाया गया। मौके पर उपस्थित लोगों ने पुलिस व फायर ऑफिस को सूचना दी। पनकी पुलिस ने पहुंचकर फायर ब्रिगेड की गाड़ीयो को बुलाया। जिससे किसी भी प्रकार की कोई बड़ी घटना होने से बची।

सरपंचों ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

कानपुर देहात (यूएनएस)। राष्ट्रीय पंचायती राज अंतर्गत उत्तर प्रदेशीय ग्राम प्रधान संगठन के प्रदेश महासचिव दिनेश चंद्र मिश्रा के नेतृत्व में जनपद के कई गांव के प्रधानों ने अपनी समस्याओं को उठाते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संज्ञान एवम् अवलोकन हेतु एक ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय में उपस्थित उप जिलाधिकारी सुरभि शर्मा को सोपा। ज्ञापन के संबंध में बताते हुए प्रदेश महासचिव ने कहा कि ग्राम पंचायत और प्रधानों के कार्य संचालन में उत्पन्न विभिन्न समस्याओं एवं अधिकारों में की गई कटौती आदि के संबंध में 15 सूत्री ज्ञापन प्रेषित किया गया है। जिसमें वर्तमान समय में चल रही सबसे मुख्य समस्या जनपद के विभिन्न गांव में खुली गौशालाओं में भूसा चारा आदि हेतु समय पर बजट नहीं मिलता।

साथ ही संबंधित करवाई सीधे जिला स्तर से की जाती है। जिसका लाभ समय पर नहीं मिल पाता है। इसके लिए ग्राम पंचायत को भूसा सप्लाई के टेंडर प्रक्रिया करने की जिम्मेदारी दी जाए। ग्राम पंचायत क्षेत्र के स्कूलों, नलकुप, आंगनवाड़ी के विद्युत बिलों तथा कार्यरत कर्मचारियों का मानदेय इत्यादि ग्राम पंचायतों के बजट से अलग किया जाना। 73वें संविधान संशोधन में ग्राम पंचायत को दिए गए अधिकार प्रदान किया जाना। मनरेगा कार्य का भुगतान का अधिकार बीडीओ के डोंगल से हटाकर सीधे प्रधान व सचिव को दिया जाना। ग्राम पंचायत के अधिकार में 5 लाख तक के कार्य को बढ़ाकर 20 लाख तक किया जाना। रोजगार सेवक व अन्य कर्मचारी को नियुक्त तथा पृथक करने का अधिकार भी ग्राम पंचायत के पास होना। ग्राम सभा की जमीन की सभी श्रेणी की जमीनों पर परिसंपत्ति रजिस्टर बनवाकर लेखपालों द्वारा प्रधान को उपलब्ध कराया जाना तथा भूमि प्रबंधन समिति की बैठक प्रति तीन माह में आवश्यक होना। ग्राम पंचायत में स्टांप बिक्री का दो प्रतिशत तथा धारा 122 बी जुर्माना की धनराशि बालू खनन आदि की 50: धनराशि ग्राम सभा कोष में जमा कराया जाना। इसके साथ ही अन्य कई बिंदुओं पर प्रधानों ने अपनी आवाज उठाते हुए अपने मानदेय को भी चार गुना बढ़ाए जाने हेतु तथा पेंशन इत्यादि का भी प्रावधान किए जाने की मांग ज्ञापन में रखी। उक्त अवसर पर प्रधान संगठन अध्यक्ष विकासखंड सरवनखेड़ा मनोज कुमार, जिला मंत्री शैलेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष राजकुमार तिवारी के साथ-साथ प्रधानगण विजय सिंह चौहान अरविंद कुमार अशोक श्रीवास्तव फिरोज खान कल्लू यादव देवनारायण सहित अन्य मौके पर उपस्थित रहे। वहीं जिलाधिकारी ने भी दिनेश मिश्रा से समस्याओं के संबंध में वार्ता की।

महाशिवरात्रि पर दर्शन में अड़चन बनेगा गिरे गेट का मलवा

रूरा, कानपुर देहात (यूएनएस)। रूरा बनीपारा जिनई में पौराणिक महादेव का मंदिर स्थिति है।जिसका व्याख्यान पुराण भी करते है। बनीपारा स्थिति बाणेश्वर महादेव मंदिर अति प्राचीन मंदिर जहां प्रतिवर्ष शिवरात्रि को लाखों कावड़िए कांवड़ लेकर आते है।जिसमे शिवरात्रि के पर्व से लेकर होली तक मेले का आयोजन होता है। यह मंदिर आस पास से लेकर दूर दूर तक के लोगो का आस्था का प्रतीक है। लेकिन आज तक मंदिर में कोई भी जीर्णोद्धार न होका है। इसी के चलते मंदिर का द्वार प्राचीन के होने के साथ जर्जर होता चला गया जो करीब पांच महीने पहले टूट गया था। जिसके चलते मंदिर के पुजारी हरी मोहन गोस्वामी व ग्रामीणों ने शासन से शिकायत की थी। जिस पर डीएम आलोक सिंह के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी व एसडीएम डेरापुर शालिनी उत्तम ने निरीक्षण किया था। वही एडीएम जेपी गुप्ता ने मंदिर निर्माण को लेकर एसडीएम डेरापुर शालिनी उत्तम को निर्देशित किया था। लेकिन 5 महीने बीत गए और द्वार का निर्माण न हो सका। और टूटा मलबा भी मंदिर द्वार से नही हटाया गया। मंदिर के पुजारी ने बताया की कई बार शिकायत की लेकिन अभी कोई सुनवाई नहीं हुई। महाशिव रात्रि के पर्व को कुद ही दिन शेष है। इस पर लाखों की तादाद में यहां भक्त बाणेश्वर महादेव के दर्शन के लिए आएगें। इस मलवे और गेट न बनने उन्हे परेशानी होगी। डीएम से शिकायत के बाद यहां निरीक्षण तो किया गया लेकिन निर्माण कार्य नही हो सका।

खाली प्लॉट में मिले नर कंकाल, बोरी में भरकर फेंके गए...हैरत में आई पुलिस

कानपुर। बर्रा थाना क्षेत्र में खाली प्लॉट में नर कंकाल मिले हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। कानपुर में बर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत दामोदर नगर के सेंगर चौराहे के खाली पड़े प्लॉट में नर कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया। इलाकाई लोगों ने हड्डियों के कंकाल देख पुलिस को दी सूचना। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की है। बताया गया है कि कंकाल बोरी में भरकर फेंके गए हैं। मामला बर्रा थाना क्षेत्र के बर्रा चौकी का है।

सेंगर चौराहे के पास खाली प्लॉट है, जिसमें कई नरमुंड, हड्डियां आदि बिखरे पड़े हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। मौके पर फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी के आधार पर खोजबीन की जा रही है। किसने फेंके हैं, कहां से आए हैं आदि की जानकारी जुटाई जा रही है।

हादसे में साइकिल सवार की मौत

उन्नाव (यूएनएस)। मंगलवार को डंपर चालक से साइकिल में टक्कर मार दी। जिससे साइकिल सवार की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने डंपर सहित चालक को पकड़ लिया है। घटना अजगैन कोतवाली गेट के पास की है। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के बक्शीखेड़ा के रहने वाले ज्ञान चंद मौर्य दही में कंपनी में 15 साल से काम करते थे। आज साइकिल से कंपनी में जा रहे थे। तभी अजगैन कोतवाली गेट के सामने कानपुर-लखनऊ हाइवे पर पीछे से एक तेज रफ्तार डंपर ने साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में साइकिल सवार घायल हो गया। हाईवे पर घटना होते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई।

निशुल्क पाठ्यक्रमों हेतु दिव्यांगजन करें आवेदन

कानपुर देहात (यूएनएस)। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सुरभि श्रीवास्तव ने जनपद के दिव्यांगजनों को सूचित किया है कि दिव्यांगजन को स्वावलम्बी एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से तकनीकी शिक्षा प्रदान करने हेतु उत्तर प्रदेश शासन के प्राविधिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत कानपुर में एक स्वायत्तशासी संस्थान डा अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर दिव्यांगजन में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त एवं प्राविधिक शिक्षा परिषद से संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रम जैसेरूपचास सीटों के लिए हाईस्कूल उत्तीर्ण अभ्यर्थी तीन वर्षीय कम्प्यूटर सांइस एण्ड इंजीनियरिंग व आर्किटेक्चरल असिस्टेण्डशिप, इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण दो वर्षीय माईन आफिस मैनेजमेण्ट एण्ड सेक्रेटेरियल प्रेक्टिस हेतु संस्थान में प्रवेशित दिव्यांग छात्र-छात्राओं को पूरी तरह नि:शुल्क शिक्षा के साथ नि:शुल्क छात्रावास सुविधा तथा छात्रवृत्ति एवं रु 1000 प्रतिमाह की भोजनवृत्ति के अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन एवं शीतकालीन वर्दी भी नि:शुल्क प्रदान की जाती है।विगत वर्षों में उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं को लगभग 100 प्रतिशत सेवायोजन भी उपलब्ध कराया जाता रहा है।पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु इच्छुक दिव्यांगजनों को ऑनलाइन आवेदन पर करने की अन्तिम तिथि 29 फरवरी एवं प्रवेश परीक्षा की तिथि 16 मार्च से 22 मार्च है।अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट एवं दूरभाष 0512-2583221 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

मर्चेंट नेवी के चीफ-आफिसर का फंदे से लटका मिला शव

उन्नाव (यूएनएस)। सदर कोतवाली क्षेत्र के प्रियदर्शिनी नगर मोहल्ला के रहने वाले मर्चेंट नेवी के चीफआफिसर का संदिग्ध हालत में मंगलवार को घर की रेलिंग से फंदे से शव लटका मिला। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंचे अस्पताल चौकी प्रभारी ने जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सदर कोतवाली क्षेत्र के प्रियदर्शिनी नगर एमआईजी 38 सेक्टर ए के रहने वाले उमेश चंद्र श्रीवास्तव विकास भवन में बाबू के पद से सेवानिवृत्त हो गए थे। उनका 33 वर्षीय बेटा सोलंकी श्रीवास्तव मर्चेंट नेवी में चीफआफिसर के पद पर तैनात था। हाल ही में एग्जाम पास करने के लिए कैप्टन के लिए लखनऊ में ट्रेनिंग कर रहा था। हर दिन उन्नाव से लखनऊ अप डाउन करता था। सोलंकी की दो साल पहले शिवांगी से शादी हुई थी। पीडीनगर स्थित घर की दूसरी मंजिल पर पत्नी शिवांगी व बेटी गौरी के साथ रहता था। घर के निचले हिस्से में पिता उमेश चंद्र रहते थे। मंगलवार सुबह संदिग्ध हालात में घर की तीसरी मंजिल की रेलिंग से रस्सी के फंदे से सोलंकी का शव लटका देख परिजनों के होश उड़ गए।

5 किलोमीटर की सेमी क्वार्टर मैराथन 29 फरवरी को, साड़ी पहनकर दौड़ेंगी महिलाएं

लखनऊ (यूएनएस)। मोहनलालगंज लोकसभा सांसद व केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर द्वारा 10 फरवरी से 24 फरवरी तक मोहनलालगंज लोकसभा में श्सांसद खेल स्पर्धा कार्यक्रम का आयोजन सभी विधानसभाओं में किया गया जिसमे कबड्डी, खो खो, एथलेटिक्स, बालीबाल, टेनिस क्रिकेट आदि क्षेत्रीय लोकप्रिय खेल की प्रतियोगिताओ के साथ विधानसभा स्तर पर महिलाओं की 5 किलोमीटर की सेमी क्वार्टर मैराथन दौड मुख्य आकर्षण का केंद्र रही जिसमे प्रतिभागी महिलाओ ने साड़ी में दौड़ लगाई। विधानसभा की साड़ी युक्त मैराथन दौड़ विगत बीकेटी विधानसभा में 11 फरवरी, सिधौली विधानसभा में 13 फरवरी,मलिहाबाद विधानसभा में 15 फरवरी, मोहनलालगंज विधानसभा में 16 फरवरी और सरोजनीनगर विधानसभा में 24 फरवरी को महिलाओं की 5 किलोमीटर की सेमी क्वार्टर मैराथन दौड़ का आयोजन हो चुका है जिसमें विधानसभाओं में आयोजित इन सेमी क्वार्टर मैराथन में प्रतिभागी हजारों महिलाओ ने साड़ी में दौड़ लगाई।अब फाइनल के तौर पर सभी विधानसभाओं के संयुक्त मोहनलालगंज लोकसभा स्तर पर साड़ी युक्त महिला सेमी क्वार्टर मैराथन दौड़ का आयोजन केडी सिंह बाबू स्टेडियम में 29 फरवरी को किया जा रहा है अनुमान है कि इसमें 1000 से ज्यादा महिलाएं साड़ी में दौड़ लगाएंगी। 5 किलोमीटर की साड़ी युक्त सेमी क्वार्टर मैराथन दौड़ की शुरुआत सुबह 7 बजे केडी सिंह बाबू स्टेडियम के मुख्य गेट से होगी जोकि नेशनल पीजी कॉलेज होते हुए सिकंदर बाग चौराहा, निशातगंज गोमती पुल, न्यू हैदराबाद रोड, हनुमान सेतु पुल और सुभाष चौराहा होते हुए वापस केडी सिंह बाबू स्टेडियम में समाप्त होगी इस दौड़ में 18 वर्ष के ऊपर उम्र की महिलाएं जो मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र की निवासिनी है वह प्रतिभाग कर सकती हैं। इस साड़ी युक्त सेमी क्वार्टर मैराथन में साड़ी पहनकर 5 किलोमीटर की दौड़ पूरी करने पर प्रोत्साहन के रूप में प्रथम पुरस्कार 51000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 41000 रूपये , तृतीय पुरस्कार 31000 रूपये और उसके बाद प्रथम दस स्थान पर आने वाली महिलाओं को 5100 उसके बाद द्वितीय दस स्थान पर आने वाली महिलाओं को 4100 उसके बाद तृतीय दस स्थान पर आने वाली महिलाओं को 3100, उसके बाद चतुर्थ दस स्थान पर आने वाली महिलाओं को 2100 और पंचम दस स्थान पर आने वाली महिलाओं को 1100 रूपये का पुरस्कार 53 विजेताओं को दिया जाएगा। मोहनलालगंज लोकसभा के खेलों के महाकुंभ के फाइनल के तौर में इसे देखा जा रहा है, इसलिए केडी सिंह बाबू स्टेडियम में होने जा रही इस साड़ी युक्त महिला सेमी क्वार्टर मैराथन को लेकर महिलाओं और सभी क्षेत्रवासियो में काफी उत्साह है।कौशल किशोर ने कहा कि सांसद खेल स्पर्धा का मुख्य उद्देश्य खेलों के प्रति युवाओं और महिलाओं की रुचि बढ़ाना, उन्हें और अधिक प्रतिभावान बनाना है। इससे आगे चलकर युवाओं, युवतियों और महिलाओं को राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सकेगा। कौशल किशोर ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को विकसित भारत आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं और विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने में युवाओं महिलाओ की भागीदारी अहम है इसलिए सभी क्षेत्रों में युवाओं और खासकर महिलाओं को आगे आना है और विकसित भारत बनाने में अपना सार्थक योगदान देना है। इसी क्रम में सांसद खेल स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है।

अब घर बैठे स्पीड पोस्ट से मंगवा सकते हनुमान गढ़ी का प्रसाद

लखनऊ (यूएनएस)। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। अयोध्या में श्री राम मंदिर जाने से पहले हनुमानगढ़ी स्थित हनुमान मंदिर के दर्शन करने की परम्परा है। ऐसे में हर किसी की इच्छा होती है कि वह हनुमान जी का दर्शन और आशीर्वाद स्वरुप प्रसाद पा सके। परन्तु कुछ श्रद्धालु चाहकर भी दर्शन नहीं कर पाते। अब ऐसे श्रद्धालुओं को निराश होने की आवश्यकता नहीं है। डाक विभाग की स्पीड पोस्ट सेवा के माध्यम से लोग देश के किसी भी कोने में घर बैठे श्री हनुमान गढ़ी अयोध्या धाम का प्रसाद प्राप्त कर सकते हैं। पीएमजी वाराणसी एवं प्रयागराज परिक्षेत्र कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि डाक विभाग और श्री हनुमान गढ़ी अयोध्या धाम के संकटमोचन सेना ट्रस्ट के बीच हुये एक एग्रीमेण्ट के तहत देश के किसी भी कोने में रह रहे श्रद्धालु स्पीड पोस्ट से श्री हनुमान गढ़ी मंदिर का प्रसाद मँगा सकते हैं। नजदीकी डाकघर से मात्र 251 अथवा 551 रूपये का ई–मनीआर्डर उप पोस्टमास्टर अयोध्या धाम-224123 के नाम भेजना होगा। ई–मनीऑर्डर प्राप्त होते ही डाक विभाग द्वारा तत्काल दिए गए पते पर स्पीड पोस्ट द्वारा प्रसाद भेज दिया जाएगा। 251 रूपये के संकटमोचक प्रसाद में लड्डू, हनुमान जी की तस्वीर, महावीरी चन्दन, अयोध्या दर्शन की किताब शामिल होगी, वहीं 551रूपये के श्महावीर प्रसादश् में लड्डू, हनुमान जी की तस्वीर, महावीरी चन्दन, अयोध्या दर्शन की किताब, तुलसी माला और हनुमान यंत्र शामिल होंगे। श्री यादव ने कहा कि डाक विभाग ने इस बात के भी प्रबंध किए हैं कि, श्रद्धालुओं को मोबाइल नंबर पर स्पीड पोस्ट का विवरण एस.एम.एस के माध्यम से मिलेगा। इसके लिए उन्हें ई–मनीऑर्डर में अपना पूरा पता, पिन कोड और मोबाइल नंबर लिखना अनिवार्य होगा।

बागी विधायकों पर कार्रवाई होगी: अखिलेश

लखनऊ (यूएनएस)। राज्यसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार को वोट करने वाले सपा विधायकों पर पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफकार्रवाई जरूर होगी क्योंकि पार्टी के साथियों का मानना है कि ऐसे लोगों को दूर कर देनाचाहिए। सरकार के खिलाफवोट करने के लिए साहस की जरूरत होती है। सपा विधायकों के बागी होने पर कहा कि सरकार की तरफसे किसी को धमकाया गया होगा। किसी को कुछऑफर दिया गया होगा। किसी को सुरक्षा चाहिए होगी। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि सुनने में तो ये भी आ रहा है कि पैकेज डील हुई है। अब ये डील कितनी बड़ी है मैं नहीं जानता। सपा विधायक पल्लवी पटेल पर अखिलेश यादव ने कहा कि मैं किसी की अंतरात्मा के बारे में नहीं जानता। जो जा रहे हैं उन्हें जरूर कोई लाभ मिला होगा लेकिन ऐसे लोगों पर कार्रवाई होगी। राज्यसभा चुनाव में सपा के आधा दर्जन से ज्यादा विधायकों ने पार्टी से बगावत करते हुए भाजपा प्रत्याशी को वोट किया है। सपा के मुख्य सचेतक व विधायक मनोज पांडेय ने तो अपने पद से इस्तीफा देने के बाद भाजपा प्रत्याशी को वोट किया।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राजभवन के गांधी सभागार में इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन तथा सामाजिक संस्था कानफेडरेशन ऑफ वोमेन एन्टरप्रेन्योर्स से जुड़ी ऐसी 66 महिला उद्यमियों को मोमेन्टो प्रदान कर सम्मानित किया

सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का निधन

लखनऊ (यूएनएस)। संभल के सपा सांसद डा. शफीकुर्रहमान बर्क का आज मंगलवार सुबह मुरादाबाद शहर के सिद्ध हास्पिटल में निधन हो गया। 94 वर्षीय बर्क देश के सबसे अधिक उम्र के सांसद थे। वह अस्पताल में 29 जनवरी से भर्ती थे।उनके गुर्दे में संक्रमण था। इससे पहले उनका गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भी उपचार चला था 21 फरवरी को सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी उनका हाल जानने अस्पताल आए थे। सपा मुखिया ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। सपा की पहली सूची में ही उन्हें संभल से पार्टी प्रत्याशी घोषित कर दिया था। उनके पौत्र जियाउर्रहमान बर्क मुरादाबाद जिले की कुंदरकी विधानसभा सीट से सपा विधायक हैं।संभल के मूल निवासी डा. बर्क देश से सबसे अधिक उम्र के सांसद थे। 1967 में चौधरी चरण सिंह के संपर्क में आने पर उन्हें राजनीति शुरू की। वह 1974 में भारतीय क्रांति दल से संभल से पहली बार विधायक बने। इसके बाद 1985 में लोकदल, 1989 में जनता दल से विधायक रहे। मुलायम सरकार में होमगार्ड विभाग के मंत्री भी रहे।1995 में उन्होंने सपा का दामन थाम लिया। 1996 में पार्टी ने उन्हें मुरादाबाद संसदीय सीट से प्रत्याशी बनाया। वह सांसद बने। यहां से लगातार तीन बार सांसद रहे। इसके बाद 2009 में संभल से बसपा से सांसद बने। 2014 में पराजित रहे। 2019 में वह सपा से जीते। सपा के संस्थापक सदस्य रहे। वह बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के कन्वीनर भी रहे।

सपा के पांच विधायकों ने सीएम योगी से की मुलाकात

लखनऊ (यूएनएस)। आगामी लोकसभा चुनाव और आज मंगलवार को चल रहे यूपी की 10 सीटों के लिए चल रहे राज्यसभा चुनाव की वोटिंग के बीच सपा को लगातार झटके लग रहे हैं। खबर है कि सपा के पांच विधायकों ने सीएम योगी से मुलाकात की है। सपा के पांच विधायक अभय सिंह, राकेश सिंह, राकेश पांडेय विनोद चतुर्वेदी, मनोज पांडेय ने सीएम योगी से यह मुलाकात की है। इन सभी विधायकों ने विधानसभा सचिवालय में सीएम योगी से मुलाकात की है। सूत्रों के मुताबिक सभी ने एक सुर में कहा कि वो प्रभु राम के नाम पर वोट देंगे। बता दें कि आज ही रायबरेली के ऊंचाहार से विधायक मनोज पांडेय ने मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया. उसके बाद उनके नेतृत्व में पांच विधायकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर न केवल क्रॉस वोटिंग के संकेत दे दिए बल्कि खुली बगावत कर दी बता दें कि इससे पूर्व सूत्रों के मुताबिक आज राज्यसभा चुनाव में वोटिंग ना करने पर अपना दल कमेरावादी की नेता और सिराथू से विधायक पल्लवी पटेल से भी सपा प्रमुख अखिलेश यादव की तीखी बहस हुई थी। ये बहस फोन पर हुई है।

मेनका गांधी की जगह ईडी के पूर्व अधिकारी को भाजपा बनाएगी उम्मीदवार!

लखनऊ(यूएनएस)।लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने यूपी की हर सीट पर अपने उम्मीदवारों का नाम फाइनल करने शुरू कर दिये है। उम्मीदवारों के नाम का एलान कब होगा, कोई संकेत नहीं मिला है लेकिन कई सीटों पर कयासबाजी शुरू है।सूत्रों के मुताबिक पार्टी पिछली बार की तरह फिर मेनका गांधी की सीट बदल सकती है। सीट को लेकर अभी तक कोई स्पष्ट संकेत पार्टी के ओर से नहीं आया है लेकिन राजनीति के जानकार बता रहे हैं कि मेनका के निर्वाचन क्षेत्र सुल्तानपुर में पूर्व ईडी अधिकारी से नेता बने राजेश्वर सिंह भाजपा से एक मजबूत दावेदार हैं। सुल्तानपुर से ताल्लुक रखने वाले राजेश्वर सिंह लखनऊ की सरोजिनी नगर विधानसभा सीट से विधायक हैं, लेकिन सुल्तानपुर में ओवरटाइम कर रहे हैं।

कहा जाता है कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पसंद भी हैं। सुल्तानपुर सीट बीजेपी का गढ़ रही है और बीते चुनावों के दौरान पार्टी यहां से जीत दर्ज करती रही है। बीते लोकसभा चुनाव में मेनका गांधी ने सुल्तानपुर सीट से चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में उन्होंने बीएसपी उम्मीदवार को हराया था। इससे पहले 2014 के चुनाव में मेनका गांधी ने पीलीभीत से चुनाव लड़ा था और उन्होंने बुद्धसेन वर्मा को हराया था। बीच में 2004 का लोकसभा चुनाव मेनका गांधी ने पीलीभीत से लड़ा था। फिर 2009 में उन्होंने सुल्तानपुर सीट से चुनाव लड़ा। इसी आधार पर इन कयासों को और हवा मिल रही है। मार्च में लोकसभा चुनाव के एलान की संभावना है।यूपी में भारत निर्वाचन आयोग की टीम 29 फरवरी को पहुंच रही है।यहां चुनाव तैयारियों का जायजा लेने के साथ ही टीम प्रशासन और राजनीतिक दलों के साथ बैठक करेगी।

मतगणना से पहले अखिलेश यादव ने मान ली हार

लखनऊ(यूएनएस)।उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की वोटिंग के बीच एक ऐसाट्वीट आया है.. जो पूरी चुनावी तस्वीर को पिटारा खुलने से पहले ही साफकर रहा है..सपा नेता की ओर से सोशल मीडिया पर ये पोस्ट की गई है.. जो इस बात की पुष्टि कर रहीहै कि बीजेपी ने चुनाव में मैदान मार लिया है.. सपा के तीसरे प्रत्याशी की चुनावमें करारी हार और उसके नेता की हताशा इस ट्वीट में झलक रही है.. पोस्ट में लिखे गए शब्द इस बात को पुख्ता कर रहे हैं कि बीजेपी के पक्ष में सपा विधायकों ने जमकरक्रॉस वोटिंग की है.. जिसके चलते सपा वोटों की गिनती से पहले ही अपनी हार मान चुकी है। बता दें कि सोशल साइट एक्स पर जो पोस्ट की गई है, वो सपा मुखियाअखिलेश यादव की है.. उन्होंने वोटिंग के दौरान दोपहर करीब डेढ़ बजे ये पोस्ट सोशलमीडिया पर लिखी है.. अखिलेश यादव ने अपनी इस पोस्ट में लिखा है. हमारी राज्यसभा की तीसरी सीट दरअसल, सच्चे साथियों की पहचान करने की परीक्षा थी और ये जानने की,कि कौन-कौन दिल से च्च। के साथ और कौन अंतरात्मा से पिछड़े,दलित और अल्पसंख्यकों के खिलाफहै.. अब सबकुछ साफहै, यही तीसरी सीट की जीत है। सपा मुखिया अखिलेश यादव की ये सोशल मीडिया पोस्ट से परिणाम सामने आने से पहले ही बहुत कुछ साफकर रही है.. पोस्ट मेंलिखे शब्द संकेत दे रहे हैं कि बीजेपी के 8वें प्रत्याशी संजय सेठ चुनाव जीत रहेहैं.. और सपा के तीसरे उम्मीदवार आलोक रंजन की क्रॉस वोटिंग से करारी हार हो रहीहै.. ऐसे में साफ हो गया कि सपा का तीसरा प्रत्याशी राज्यसभा नहीं जा रहा है..जिसकी उम्मीद बीजेपी के उम्मीदवार से अधिक थीं.. ऐसे में अब मतगणना के बाद बीजेपी के सभी 8 प्रत्याशी जीत की घोषणा होने की औपचारिकता बाकी है.. जबकि दोनों ओर केबाकी 9 प्रत्याशियों की जीत होना तो पहले से तय था.. जिसमें बीजेपी के 7 और सपा के2 सदस्य शामिल हैं.. इस चुनाव में बीजेपी ने सपा को तोड़कर उससे एक सीट छीन लीहै.. ये सपा मुखिया अखिलेश यादव के लिए लोकसभा चुनाव से पहले एक बड़ा झटका है.. जोबीजेपी के थिंक टैंक ने उसे धीरे से दे दिया है।

भाजपा को वोट देने के बाद हुए राममय

लखनऊ।राज्यसभा के लिए वोटिंग में वोट करने पहुंचे ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि डिनर पार्टी में सब हुआ क्लियर कि कौन किसको वोट देगा।

पुलिस कर्मियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने हेतु 48 करोड़ 76 लाख जारी

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के जनपदों में तैनात पुलिस कर्मियों के लिये आवासीय व अनावासीय भवनों आदि के निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान करते हुए 48 करोड़ 35 लाख रूपये से अधिक की धनराशि की स्वीकृति प्रदान कर दी है। प्रमुख सचिव गृह ने आजयह जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस आधुनिकी करण के तहत पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय, मुरादाबाद की क्षमता दोगुना किये जाने हेतु अनावसीय भवनों के निर्माण हेतु 33 करोड़ 80 लाख 35 हजार रूपये तथा आवासीय भवनों के निर्माण हेतु 9 करोड़ 26 लाख 19 हजार रूपये की धनराशि के आदेश निर्गत कर दिये गये है।

जनपद आगरा के थाना फतेहाबाद में श्रेणी-ए के 06 एवं श्रेणी-बी के 09 आवासों के निर्माण हेतु 2 करोड़ 73 लाख 70 हजार रूपये की धनराशि, जनपद बिजनौर में थाना बढ़ापुर में 32 क्षमता के हॉस्टल,बैरक एवं विवेचना कक्ष के निर्माण हेतु 1 करोड़ 76 लाख 81 हजार रूपये व जनपद बिजनौर में थाना नगीन देहात में 16 क्षमता के हॉस्टलध्बैरक एवं विवेचना कक्ष के निर्माण कार्य हेतु 1 करोड़ 19 लाख 65 हजार रूपये की धनराशि निर्गत करने के आदेश निर्गत कर दिये गये है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार स्वीकृत भवनों का निर्माण कार्य निर्धारित मानक एवं पूर्ण गुणवत्ता के साथ कराने के निर्देश दिये गये है। उन्होंने यह निर्देश भी दिये है कि निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि के अन्दर पूर्ण कराया जाय ताकि यथाशीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने के फलस्वरूप निर्मित भवनो का बेहतर उपयोग हो सके। उन्होंने कड़े निर्देश दिये है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता आदि की कमी पाये जाने पर संबंधित दोषी कर्मियों को बख्शा नही जायेगा।

सीएम योगी, अखिलेश यादव ने डाला वोट

लखनऊ (यूएनएस)। देश के तीन राज्यों की 15 राज्यसभा सीटों के लिए मतदान शुरू हो गया है। ये तीन राज्य हैं उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक। इसमें यूपी की 10, कर्नाटक की 4 तो हिमाचल प्रदेश की एक सीट पर मतदान शुरू हो गया है। तीनों ही राज्यों में क्रॉस वोटिंग का संशय बना हुआ है। यूपी में समाजवादी पार्टी के 8 विधायकों को लेकर सस्पेंस है। राज्यसभा चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हो चुकी है, जो शाम 4 बजे तक जारी रहेगी. इसके बाद शाम 5 बजे से वोटों की गिनती शुरू हो जाएगी, जबकि रात तक नतीजे आने की उम्मीद है। दरअसल, 15 राज्यों में राज्यसभा की 56 सीटें खाली हैं। इनमें से 12 राज्यों की 41 राज्यसभा सीटों पर उम्मीदवार निर्विरोध चुन लिए गए हैं।इसी बीच बड़ी खबर यहहैकि सीएम योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपना वोट डाल दिया है और वे वापस लौट चुके हैं। वोटिंग के बाद सीएम योगी ने विक्ट्री साइन दिखाया।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा प्रिंट आर्ट आफसेट, 33 कैण्ट रोड, लखनऊ से मुद्रित तथा प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग, विधानसभा मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ-226001 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
क्रिएटिव एडिटर
नैमिष सोनी
विशेष संवाददाता
सौरभ कुमार पाण्डेय
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255

ईमेल :janveenanews@gmail.com

RNI No. UPHIN/2011/43668

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

आर्थिक तंगी से बढ़ रही हैं आत्महत्या की घटनाएं: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि मोदी सरकार एक तरफगरीबी खत्म करने का ढिंढोरा पीट रही है और दूसरी तरफसरकारी आंकड़ा बताता है कि आर्थिक तंगी के कारण देश में बड़ी संख्या में लोग आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अकेले 2022 में सात हजार से ज्यादा लोगों ने आर्थध्कि तंगी के कारण आत्महत्या की है। हर घंटे दो किसान आत्महत्या करने को मजबूर हैं और हर दिन 40 युवा हताश होकर जान देने को मजबूर हैं लेकिन सरकार का दावा है कि देश में सब चकाचक है। उन्होंने कहा, आज नीति आयोग यह साबित करने पर तुला है कि सरकार ने देश में गरीबी खत्म कर दी है लेकिन इसी

रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के सबसे गरीब पांच प्रतिशत लोग अपना गुजर-बसर सिर्फ46 रुपए प्रतिदिन पर करने को मजबूर हैं। नीति आयोग का यह सर्वे देश के अमीरों और गरीबों के बीच बढ़ती खाई को सही साबित कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा नीति आयोग की इस रिपोर्ट के अनुसार- शहर के पांच प्रतिशत सबसे अमीर लोग, शहर के पांच प्रतिशत सबसे गरीब लोगों से 10 गुना ज्यादा खर्च करते हैं। गांव के पाच प्रतिशत सबसे अमीर लोग, गांव के पांच प्रतिशत सबसे गरीब लोगों से आठ गुना ज्यादा खर्च करते हैं। श्रीमती श्रीनेत ने कहा,मतलब.. अगर गांव में रहने वाले पांच प्रतिशत सबसे अमीर हर दिन 350 रुपए खर्च करते हैं तो पांच प्रतिशत सबसे गरीब 46 रुपए खर्च करते हैं। वहीं शहर के पांच प्रतिशत सबसे अमीर 700 रुपए खर्च करते हैं, तो सबसे गरीब औसतन 67 रुपए खर्च करते हैं। प्रवक्ता ने कहा, सरकार के अनुसार अगर देश में सिर्फसात करोड़ लोग ही गरीब हैं तो फिर 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन क्यों देना पड़ रहा है। देश के 35 करोड़ लोगों के पास आवाजाही का कोई साधन और 45 करोड़ लोगों के पास टीवी क्यों नहीं है। रोजमर्रा की चीजों में भी गिरावट आई है जो साबित करता है कि लोग खर्च नहीं कर पा रहे हैं। दो साल पहले भारत का घरेलू सेविंग रेट जीडीपी से 11 प्रतिशत ऊपर रहता था लेकिन 2 साल में यह जीडीपी के अनुपात में गिरकर पांच प्रतिशत पर आ गया है।